

## असाधारगा EXTRAORDINARY

সাদা II—ৰাগৱ 3—বৰ-ধাগৱ (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

श्रीभकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 439]

नई बिल्ली, सृहस्पतिबार, सितम्बर 30, 1982/ग्राश्विन 8, 1904

No. 439] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 30, 1982/ASVINA 8, 1904

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संस्था को जाती है जिससे कि यह असग संकलन को रूप में रक्षा जा सकी

Separate Paging 16 given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

## उद्योग मंत्रालय (अवैद्योगिक विकास विभाग) आदेश

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1982

का. आ. 699(अ) / 18-एए / आई जो आर ए/82 :— केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (अद्योग पिक विकास विभाग) के आदेश मं. का. आ 825(अ)/18-एए/आई डी आर ए/76 तारील 23 विसम्बर, 1976 द्वारा (जिसे इसमें इसके परचात उक्त आदेश कहा गया हैं) उद्योग (यिकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक की उप-धारा (1) के लण्ड (ल) के अधीन मैसमें कावेरी स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लिगिटेड पृदुक्इटई नामक औद्योगिक उपक्रम का पूर्ण प्रबन्ध 23 दिसम्बर, 1970 से पांच वर्ष की अविध के लिए ग्रहण कर लिया था और उक्त अद्योगिक उपक्रम प्रबन्ध ग्रहण कर लिया था और उक्त अद्योगिक उपक्रम प्रवन्ध ग्रहण करने के लिए तिमलनाडु टैक्सटाइल कारपोरंशन को प्राधिकृत किया गया था ;

और भारत मरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश संख्या का. आ. 906(अ)/18-एए/आई डी आर ए/82 तारीख, 22 दिसम्बर, 1981 द्वारा उक्त आदेश की अद्योध छह मास की और अविधि की लिए अर्थात् 22 जून, 1982 तक जिसमें यह तारीख भी सिम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना संख्या का. आ. 437(3)/18-एए/ आई डी आर ए/82 तारील 22 जून, 1982 तारा उक्त आदेश की अविध 30 सितम्बर, 1982 तक, जिसमें यह तारील भी सम्मिलित हैं, बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उबस आदेश, 31 मार्च, 1933 तक की और अविध के लिए जिसमें यह तारीख भी सिम्मिलित है, प्रभावी बना रहना चाहिए;

अतः केन्द्रोय गरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निषेश देती। है कि उक्त आदेश 31 मार्च, 1983 तक की और अविधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रभावी बना रहेगा ।

> [फा. सं. 3(9) ∕81-सी. यू. एस. **उ** ए. पी. सरवन, संयुक्त सिषव

## MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development) ORDER

New Delhi, the 30th September, 1982

S.O. 699(E)/18AA/IDRA/82.—Whereas by the Order of the Government of Inda in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 825(E)|18AA|IDRA|

76 dated the 23rd December, 1976 (hereinafter referred to as the said order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Messis Canvery Spinning and Weaving Mills Limited, Pudukkotai, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industies (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years from the 23rd December, 1976, and the Tamil Nadu Textile Corporation was authorised to take over the management of the whole of the said industrial undertaking;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 906(E) 18AA IDRA 81, dated the 22nd December, 1981, the period of the said Order was extended for a further period of six months upto and inclusive of the 22nd June, 1982;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Deve-

lopment) No. S.O. 437(E)]18AA|IDRA|82, dated the 22nd June, 1982, the period of the said Order was extended upto and inclusive of the 30th September, 1982;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 19AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1983.

[F. No. 3(9)/81-CUS] A. P. SARWAN, Jt. Secy.